सांध्य दैनिक 4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 124 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 7 जून, 2024

हम पैसे बनाने के लिए सेवाओं का निर्माण नहीं करते, हम पैसे बनाते हैं ताकि बेहतर सेवाओं का निर्माण कर सकें।
-मार्क जुकरबर्ग

सुपर ओवर में अमेरिका ने पाकिस्तान... 7 | दिखा सियासी उतार-चढ़ाव का... 3 | जन आकांक्षाओं का प्रतीक बना... 2

एनडीए संसदीय दल के नेता चुने गए नरेन्द्र मोदी

राजनाथ ने रखा प्रस्ताव, नीतीश व नायडू ने किया समर्थन

सरकार बनाने का दावा करेंगे पेश, आज राष्ट्रपति को सौंपेंगे सभी दल समर्थन पत्र

» रविवार को तीसरी बार फिर लेंगे पीएम पद की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की शुक्रवार (7 जून) को बैठक हुई। इसमें सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुना गया। उनके नाम का प्रस्ताव भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने रखा है। जेपी नड्डा व अमित शाह ने उनके प्रस्ताव का समर्थन किया। उनके नाम का अनुमोदन टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू, जदयू के नीतीश कुमार, एलजेपी के चिराग पासवान, हम के जीतन राम मांझी, अपना दल की अनुप्रिया पटेल, शिवसेना के एकनाथ शिंदे, एनसीपी के अजित पवार व जनसेना के पवन कल्याण ने `किया।

इस बैठक में एनडीए के सभी नव-निर्वाचित सांसद शामिल हुए। हालांकि इस बैठक के इतर यह भी चर्चा हो रही है कि इतने सारे दलों के साथ सरकार चलाना मोदी के लिए आसान नहीं होगा। क्योंकि टीडीपी व जदयू कुछ बड़े व अहम मंत्रालय मांग रहे हैं जिसकी सहमति बनाने में समय लगा। इसलिए शपथ ग्रहण जो 8 को होना था वह अब 9 को हो रहा है। उधर अब मोदी के संसदीय दल का नेता बनने के बाद सभी दल राष्ट्रपति को अपना समर्थन पत्र देंगे। उसके बाद एनडीए अपनी सरकार बनाने का दावा पेश करेगी।

देश चलाने के लिए सर्वसम्मति जरूरी : मोदी

एनडीए संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि मैं इस विधानसभा कक्ष में उपस्थित सभी घटक दलों के नेताओं, सभी नवनिर्वाचित सांसदों और हमारे राज्यसभा सांसदों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मेरे लिए ये खुशी की बात है कि आज मुझे इतने बड़े समूह का स्वागत करने का अवसर मिला है। जो भी नेता जीतकर आये हैं वे बधाई के पात्र हैं। जिन लाखों कार्यकर्ताओं ने दिन-रात काम किया है, आज इस सेंट्रल हॉल से मैं उन्हें नमन करता हूं, नमन करता हूं। आज जब आप मुझे यह भूमिका दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि हमारे बीच विश्वास का पुल मजबूत है। यह रिश्ता विश्वास की मजबूत नींव पर है और यही सबसे बड़ी पूंजी है। हमारे देश में 10 राज्य ऐसे हैं जहां हमारे आदिवासी भाइयों की संख्या निर्णायक रूप से अधिक है, इन 10 राज्यों में से 7 में एनडीए सेवा दे रही है। चाहे गोवा हो या पूर्वोत्तर, जहां ईसाइयों की संख्या निर्णायक रूप से अधिक है, उन राज्यों में भी एनडीए को सेवा करने का मौका मिला है।

"मेरे लिए ये खुशी की बात है कि आज मुझे इतने बड़े समूह का स्वागत करने का अवसर मिला है।"

पीएम मोदी ने 10 सालों में कई पहल कीं : चंद्रबाबू नायडू

एनडीए संसदीय दल की बैठक में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू कहते हैं, हम सभी को बधाई दे रहे हैं क्योंकि हमने शानदार बहुमत हासिल किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि 3 महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। दिन-रात उन्होंने आराम नहीं किया। उन्होंने उसी भावना के साथ शुरुआत की और उसी भावना के साथ समाप्त किया। आंध्र प्रदेश में हमने 3 सार्वजनिक बैठकें और 1 बड़ी रैली की और इससे आंध्र प्रदेश में चुनाव जीतने में बहुत बड़ा अंतर आया।

मजबूरी नहीं, प्रतिबद्धता है ये गठबंधन : राजनाथ सिंह

बीजेपी नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं ये स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि ये गठबंधन हमारी मजबूरी नहीं है, बल्कि हमारी प्रतिबद्धता है। पिछले 10 सालों में मोदी जी के नेतृत्व में देश की दिशा-दशा बदली है। 10 सालों में दुनिया को भी ये मालूम चल चुका है कि भारत विकसित होने के साथ-साथ दुनिया को नेतृत्व क्षमता भी दे सकता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं सभी नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई देना चाहता हूं। आज हम यहां एनडीए का नेता चुनने के लिए आए हैं। मेरा मानना है कि इन सभी पदों के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का नाम सबसे उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि 1962 के बाद पहली बार कोई नेता तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेगा। हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि मोदी जी जैसा प्रधानमंत्री हमें मिलने जा रहा है। मोदी की कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता की वजह से हमारे एनडीए परिवार में भी वृद्धि हुई है।

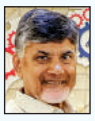

पीएम मोदी को देते हैं हार्दिक बधाई: जेपी नड्डा

एनडीए संसदीय दल की बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, हम प्रधानमंत्री को हार्दिक बधाई देते हैं, जिन्होंने हर पल देश की सेवा में बिताया। यही कारण है कि भारत आज इतिहास रच रहा है और एनडीए लगातार तीसरी बार बहुमत की सरकार बना रही है।

विपक्ष ने देश की सेवा नहीं की : नीतीश

नीतीश कुमार ने कहा कि अभी जो लोग इधर-उधर जीत गए हैं। वो सब लोग अगली बार हारेंगे। ये सब लोग (विपक्ष) बिना मतलब की बात कर रहे हैं। ये लोग कोई काम किए हैं। आज तक उन्होंने कोई काम नहीं किया है। देश की कोई सेवा नहीं की है। इस बार मोदी को जो मौका मिला है, उससे उन लोगों के लिए आगे कोई गुंजाइश नहीं रहेगा। देश और बिहार अब और आगे बढ़ेगा। बचा हुआ काम भी पूरा होगा। एनडीए की बैठक में नीतीश कुमार ने कहा कि जेडीयू नरेंद्र मोदी को एनडीए के संसदीय दल के नेता के तौर पर समर्थन देती है।

नीतीश के करीबी आनंद मोहन की दो बड़ी मांगें, रेल मंत्रालय और विशेष राज्य का दर्जा मांगा

सीएम नीतीश कुमार के करीबी और उनकी पार्टी की सांसद लवली आनंद के पति आनंद मोहन ने रेल मंत्रालय की मांग कर दी है। हमलोग रेल मंत्रालय की मांग करते हैं। रेल मंत्रालय की मांग पुख्ता मांग है। लगातार यह बिहार के हिस्से रहा है। एलएन मिश्रा, रामविलास विलास और नीतीश कुमार के जमाने से जो कार्य अधूरे हैं, उनको अगर पूरा करना है तो पिछड़े बिहार को रेल मंत्रालय चाहिए।

जन आकांक्षाओं का प्रतीक बना इंडिया गठबंधन : अखिलेश यादव

» बोले-चुनाव परिणामों से भाजपा के अहंकार का पतन हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणामों से जाहिर है कि भाजपा के अहंकार का पतन हुआ है और प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ जनादेश आया है। प्रदेश मंत्रिमंडल के 16 मंत्री लोकसभा चुनाव में अपनी विधानसभा हार गए हैं। अखिलेश ने एक बयान में कहा कि अयोध्या में जनता ने भाजपा की आशाओं पर पानी फेर दिया।

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने गरीबों को उजाड़ दिया। उजड़े किसानों को पर्याप्त मुआवजा भी नहीं दिया गया। पुनर्वास पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजे में जनता ने सबक सिखा दिया। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर लगाम नहीं लग रही है। अग्निवीर योजना तुरंत खत्म करने की मांग के साथ कहा कि जो जवान फौज में जाना चाहते हैं और उनकी उम्र समाप्त हो गई, उन्हें फिर मौका मिलना चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन जन आकांक्षाओं का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन किसान, मजदूर, युवा, महिला, व्यापारी, कारोबारी, नौकरीपेशा और सरकारी कर्मचारियों की आवाज बनने का काम करता रहेगा।

अब विधानसभा उपचुनाव में होगी सभी दलों की परीक्षा

लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा उपचुनाव में एनडीए और इंडिया को परीक्षा देनी होगी। जबर्दस्त घमासान होने की उम्मीद है। लोकसभा चुनाव परिणाम जारी होने के बाद दोनों गठबंधनों ने उपचुनाव पर मंथन शुरू कर दिया है। सपा के चार, भाजपा के तीन, निषाद पार्टी और रालोद के एक-एक विधायक सांसद बन गए हैं। ऐसे में इंडिया को चार और एनडीए को पांच विधानसभा सीटों के लिए ताकत लगानी होगी। इन सीटों पर छह माह के अंदर उपचुनाव होना है। वहीं, भाजपा के एक एमएलसी भी सांसद बने हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कन्नौज से सांसद चुने गए हैं। वह मैनपुरी के करहल से विधायक हैं। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि वह केंद्र की राजनीति करेंगे। ऐसे में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर भी निगाहें लगी हैं। हालांकि करहल से उनके भतीजे तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाने की संभावना है। क्योंकि वह मैनपुरी से पूर्व सांसद हैं। डिंपल यादव के सांसद चुने जाने के बाद भी वह निरंतर सक्रिय भूमिका में रहते हैं। इसी तरह मिल्कीपुर से विधायक अवधेश प्रसाद फैजाबाद से सांसद बने हैं।

एमएलसी में किसे मिलेगा मौका

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद विधान परिषद सदस्य हैं। वह पीलीभीत से सांसद चुने गए हैं। ऐसे में खाली होने वाली इस सीट पर भाजपा किसे मौका देगी, इस पर निगाहें लगी हैं। अभी विधान परिषद में भाजपा के 72 और सपा के सात एमएलसी हैं।

राहुल गांधी के रायबरेली से ही सांसद रहने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वायनाड छोड़ रायबरेली से सांसद बने रह सकते हैं। इसके लिए प्रदेश नेतृत्व की ओर से केंद्रीय कमेटी को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। दूसरी तरफ प्रदेश की सियासी नब्ज पर नजर रखने वाले भी इस कदम को कांग्रेस के लिए हितकर बता रहे हैं। उनका तर्क है कि राहुल गांधी के रायबरेली से सांसद रहने से समूचे उत्तर भारत में पार्टी को फायदा मिलेगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी वायनाड से 3.64 लाख मतों से और रायबरेली से 3.90 लाख मतों से चुनाव जीते हैं। वायनाड में उन्हें 59.69 फीसदी और रायबरेली में 66.17 फीसदी मत मिला है। अब राहुल गांधी वायनाड छोड़ेंगे अथवा रायबरेली इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि प्रदेश के सभी नेता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि वह रायबरेली ही रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस प्रस्ताव लाएगी

शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में होने वाली बैठक में राहुल गांधी को रायबरेली में रोकने का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उसे केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। प्रदेश की सियासी नब्ज पर नजर रखने वाले और 10 मई को लखनऊ में हुए संविधान बचाओ सम्मेलन के संयोजक मंडल में शामिल पूर्व जिला जज बीडी नकवी कहते हैं कि राहुल गांधी ने जिस तरह से आरक्षण और रोजगार का मुद्दा उठाया, उससे युवाओं में उत्साह बढ़ा और कांग्रेस को लोकसभा में छह सीटें मिलीं। जिन सीटों पर हार मिली है, वहां भी कांग्रेस का वोटबैंक बढ़ा है। ऐसे में राहुल गांधी को रायबरेली सांसद रहते हुए उत्तर प्रदेश में सक्रियता बढ़ानी चाहिए। इसका फायदा समूचे उत्तर भारत में मिलेगा। कांग्रेस की ओर अल्पसंख्यक और दलित दोनों का रुझान है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व पर बिहार में विस चुनाव लड़ेंगे : सम्राट चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर बंटवारे के समय ही कच्चे तौर पर तय हो गया था कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन किस प्रारूप में उतरेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनता दल यूनाईटेड और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ही नहीं, बल्कि उपेंद्र कुशवाहा के राष्ट्रीय लोक मोर्चा और जीतन राम मांझी के हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) को भी लोकसभा सीटें बांटते समय बिहार विधानसभा चुनाव का खाका बता दिया गया था।

अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने एक तरह से उसकी पुष्टि की है कि बिहार में भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे भी रहेगी। लोकसभा सीट बंटवारे के समय सीट घटाए जाते समय ही भाजपा की ओर से जदयू को इस बात का आश्वासन दिया गया था और बाकी घटक दलों ने भी उसी को देखते हुए कम सीटों पर समझौता किया था।1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही क्या 2025 के विधानसभा में भाजपा सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाड़ लड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इसमें दिक्कत क्या है? बिहार में 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। सम्राट चौधरी ने स्पष्ट कहा कि लोकसभा चुनाव में बिहार को 75 प्रतिशत नंबर जनता दिया। जो लोग परसेप्शन बना रहे थे वो गलत हो गया।

बसपा में जिम्मेदारों पर गिरेगी गाज

» मायावती ने वरिष्ठ पदाधिकारियों से तलब की रिपोर्ट

» हार से घमासान, हो सकती है आकाश आनंद की वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव में चोट खाया हाथी अब कुचले जाएंगे महावत। कुछ इसी तरह की खबरे आ रही है। चुनाव में बसपा को मिली करारी शिकस्त के बाद पार्टी में घमासान मचा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। सभी सीटों पर मिली शिकस्त का ठीकरा जोनल कोऑर्डिनेटरों पर फोड़ा जा सकता है, क्योंकि प्रत्याशी चयन का जिम्मा उन्हें ही सौंपा गया था। वहीं जिन सीटों पर बसपा को दलित वोट बैंक भी हासिल नहीं हुआ, वहां के जिलाध्यक्षों को हटाया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो माया जल्द ही यूपी और अन्य प्रदेशों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ हार की समीक्षा के लिए बैठक करेंगी। बता दें कि बसपा को लोकसभा चुनाव में यूपी की 14 सीटों पर 50 हजार से भी कम वोट मिले हैं। इनमें इलाहाबाद, अमेठी, बाराबंकी, देवरिया, डुमरियागंज, फैजाबाद, फर्रुखाबाद, कैसरगंज, कानपुर, लखनऊ, महराजगंज, वाराणसी, रायबरेली और नगीना शामिल हैं। इन सीटों पर बसपा प्रत्याशियों को दलित वोटरों ने पूरी तरह नकार दिया। अब इसकी वजहों की तलाश करने की तैयारी है।पार्टी सूत्रों की मानें तो नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की भी दोबारा वापसी हो सकती है, ताकि आजाद समाज पार्टी की ओर दलित युवाओं के झुकाव को रोका जा सके। आकाश ने अपनी चुनावी जनसभाओं में अपने तेवरों से युवाओं को खासा आकर्षित किया था, उनके प्रचार पर पाबंदी लगने के बाद से लगातार उनकी वापसी की मांग की जा रही है। साथ ही, युवाओं के साथ महिलाओं को भी पार्टी के साथ जोड़ने की नई मुहिम शुरू करने की तैयारी है।

गठबंधन नहीं करने से नुकसान

जानकारों की मानें तो बसपा का किसी भी दल से गठबंधन नहीं करना नुकसान का सबब बन गया। इसकी वजह से पार्टी ने अपना कोर वोट बैंक भी तकरीबन गंवा दिया। कई सीटों पर बसपा के परंपरागत जाटव वोटरों ने भी पार्टी प्रत्याशी को वोट नहीं दिया। बीते लोकसभा चुनाव में करीब 19 फीसदी वोट हासिल करने वाली बसपा इस बार 9.39 फीसदी वोट पर ही सिमट गयी, जिसे दोबारा हासिल करने में खासी मशक्कत करनी पड़ सकती है।

हम लोग अपने जनकल्याणकारी मुद्दों पर अडिग हैं : तेजस्वी यादव

» बोले- बेरोजगारी महंगाई, गरीबी से देश को मुक्त कराना है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष व पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर इंडी गठबंधन के नेताओं के साथ तस्वीर साधा की। उन्होंने लिखा कि 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद नई दिल्ली में इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं के साथ आगे की कार्ययोजना, रूपरेखा एवं रणनीति को लेकर आयोजित बैठक में सम्मिलित हुआ।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि हमलोग अपने जनकल्याणकारी मुद्दों पर अडिग हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, पलायन, नफरत और गरीबी के कष्ट से देश-प्रदेश को मुक्त कराना है एवं तानाशाही के चंगुल से संविधान, लोकतंत्र और आपसी भाईचारे को बचाना है। पूरे देश ने मिलकर भारत के वास्तविक मिजाज़, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा की है। तमाम जांच एजेंसियों, पक्षपाती आयोग, गोदी मीडिया, सरकारी मशीनरी, असीमित संसाधनों एवं साजिशों के साथ चुनाव लड़ रहे खुद को विश्व विजेता मानें लेकिन सच यही है कि देश और बिहार की जनता ने इंडी गठबंधन के साथ मिलकर तानाशाही, झूठ, जुमलों और प्रपंच को करारी हार दी है।

दिखा सियासी उतार-चढ़ाव का पड़ाव

राहुल-अखिलेश-ममता व उद्धव ने विपक्ष की बढ़ाई ताकत

» दस साल में भाजपा हुई मजबूत, कांग्रेस पड़ी कमजोर

» 2024 में कांग्रेस ने फिर पकड़ी रफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले दस साल में राजनीति ने कई उतार-चढ़ाव देखे। जहां कांग्रेस व विपक्ष को कई बार पिछड़ना पड़ा तो बीजेपी ने कई जगह अपनी हारती हुई बाजी पल्टी। इसके लिए भाजपा ने कई ऐसे हथकंडे भी अपनाए जिन्हें अपनाना अनुचित है। पर 2024 के चुनाव परिणामों ने जहां सता में बैठी भाजपा के दंभ को तोड़कर उसे अन्य दलों के वैशाखी के सहारे सरकार चलाने को मजबूर कर दिया तों वहीं इसी चुनाव ने कांग्रेस व विपक्ष को मजबूत करके सता पर मनमानी करने पर अंकुश लगाने का अधिकार भी दे दिया।

उधर लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से साथ आंध्र प्रदेश और ओडिशा के विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए। इन दोनों चुनावी राज्यों में अब भाजपा की गठबंधन या सिर्फ भाजपा की सरकार होगी। इससे पहले यहां गैर भाजपाई और गैर कांग्रेस सरकार थी। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और ओडिशा में बीजू जनता दल सत्ता में थी। दोनों राज्यों के नतीजों के बाद अगर देखें तो इस वक्त 11 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। वहीं, सात राज्यों की सरकार में भाजपा हिस्सेदार है। चार राज्यों में कांग्रेस के मुख्यमंत्री हैं। जबकि, चार राज्यों में कांग्रेस गठबंधन सरकारों का हिस्सा है। सात राज्य ऐसे हैं जहां अन्य दलों की सरकारें हैं। दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। पश्चिम बंगाल में टीएमसी और केरल में लेफ्ट गठबंधन की सरकार है।

3 राज्यों ने बिगाड़ा बीजेपी का खेल

4 जून को आए रूझानों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं। 2014 और 2019 के बाद तीसरी बार सत्ता की हैट्रिक लगाने की उम्मीद लिए बीजेपी 2024 के रण में उतरी। वहीं मोदी सरकार के अबकी बार 400 पार के नारे को हकीकत बनने से रोकने के लिए कांग्रेस के साथ क्षेत्रीय दलों ने इंडिया ब्लॉक बनाकर चुनाव लड़ने का फैसला किया। सात चरणों में हुए चुनाव में मंगलसूत्र, आरक्षण, संविधान, पाकिस्तान ट्रेडिंग मुद्दा रहा। सभी के अपने अपने दावे रहे। 1 जून को वोटिंग के समापन के बाद आए अधिकांश एग्जिट पोल एनडीए की जीत की भविष्यवाणी करते नजर आए और कईयों ने तो 400 पार के आंकड़े को भी आसानी से पार कराने से कोई गुरेज नहीं किया। लेकिन 4 जून को आए रूझानों में 400 के आंकड़े तो दूर बीजेपी के लिए 272 के जादुई आंकड़े को भी खुद के बूते पार कर पाना अभी तक संभव नहीं हो पाया है। इसके इतर इंडिया गठबंधन भारत के तीन बड़े और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में आगे रहा। लोकसभा में इन तीन राज्यों में कुल 170 सीटें आती हैं। जो कि पूरा राजनीतिक परिदृश्य बदलने की क्षमता रखते हैं।

उत्तर प्रदेश में सपा-कांग्रेस का जलवा

वैसे तो कहा जाता है कि देश के प्रधानमंत्री का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। लेकिन ये सिर्फ बातें नहीं बल्कि इसमें सच्चाई भी नजर आती है। 2014 के चुनाव में बीजेपी गठबंधन को उत्तर प्रदेश से 73 सीटें मिली और एनडीए का आंकड़ा बहुमत के आंकड़ों को आसानी से पार गया। वहीं 2019 में भी प्रदेश के दो क्षेत्रीय दलों बसपा और सपा के साथ आने के बावजूद बीजेपी ने 64 सीटें जीतने में सफलता हासिल की और उसका आंकड़ा 300 को पार गया। लेकिन 2024 में बीजेपी और बहुमत के आंकड़े के बीच 80 सीटों वाला उत्तर प्रदेश आकर खड़ा हो गया। कांग्रेस और सपा के गठजोड़ ने बीजेपी गठबंधन को ऐसी चुनौती दी जिसकी उसे कतई उम्मीद नहीं थी। समाजवादी पार्टी तो अकेले 35 सीटों पर आगे चल रही है वहीं कांग्रेस भी अपने दो बार के प्रदर्शन में बेहतरीन सुधार करती नजर आ रही है। नतीजतन यूपी से बीजेपी की सीटें इस बार आधी से ज्यादा कम हो जा रही है। जिसका की कुल आंकड़ों पर सीधा असर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल में ममता अब भी सर्वप्रिय

पश्चिम बंगाल में ममत बनर्जी ने कांग्रेस को 2 सीटों के लायक बताते हुए पहले ही गठबंधन करने से प्रदेश में इनकार कर दिया था। वो चुनाव में एकला चलो रे की राह अपनाते हुए सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे। वहीं कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन के जरिए चुनावी मैदान में थी। लेकिन बीजेपी को अगर इस चुनाव में किसी राज्य से सबसे ज्यादा उम्मीदें थी तो बंगाल उसमें पहले नंबर पर था। गृह मंत्री अमित शाह भी लगातार बंगाल को लेकर दावे करते नजर आ रहे थे कि पार्टी राज्य में चौंकाने वाला प्रदर्शन कर सकती है और उसका आंकड़ा 30 प्लस हो सकता है। लेकिन बंगाल में बीजेपी और प्रचंड जीत के बीच दीदी आकर ऐसी खड़ी हो गई कि उसने 2019 के प्रदर्शन को भी दोहराने से रोक दिया।

जब मोदी सत्ता में आए तब सात राज्यों में थीं भाजपा सरकारें

मई 2014 में नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। उनके सत्ता में आने के समय देश के सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगी दल सरकार चला रहे थे। इनमें पांच राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री थे, जबकि आंध्र प्रदेश और पंजाब में उसकी सहयोगी पार्टी सत्ता में थी। इन दो राज्यों में देश की छह फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। बाकी पांच राज्यों छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा के मुख्यमंत्री थे। इन राज्यों में देश की 19 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। यानी, जब नरेंद्र मोदी देश की सत्ता में आए उस वक्त करीब 26 फीसदी आबादी पर भाजपा और उसकी सहयोगी सरकारें चल रही थीं। उस वक्त देश के 14 राज्यों में कांग्रेस और उसके सहयोगी पार्टियों की सरकार थी। कांग्रेस शासित इन राज्यों में देश की 37 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। इन राज्यों में महाराष्ट्र, कर्नाटक जैसे बड़े राज्य शामिल थे।

2018 में पीक पर पहुंची भाजपा

2014 में सात राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार थी। चार साल बाद मार्च 2018 में 21 राज्यों में भाजपा और उसके सहयोगियों की सरकार थी। इन राज्यों में देश की करीब 71 फीसदी आबादी रहती है। ये वो दौर था, जब भाजपा शासन आबादी के लिहाज से पीक पर था। वहीं, चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। इन राज्यों की सात फीसदी आबादी रहती है।

सहयोगियों के दबाव में रहेगी बीजेपी

नरेंद्र मोदी का पीएम के रूप में तीसरा कार्यकाल होगा, लेकिन उनका तीसरा कार्यकाल पहले के दो कार्यकाल से कई मायनों में अलग है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) इस बार चुनाव में पूर्ण बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई है। इस बार उसे 240 सीटें ही मिली हैं। ऐसे में अब मोदी 3.0 में बीजेपी के लिए एनडीए के अन्य सहयोगी दलों मौजूदगी बेहद अहम है और इस बात का अंदाजा अब एनडीए के तमाम घटक दलों को भी है। यही वजह है कि एनडीए के घटक दल मोदी 3.0 में बीजेपी के सामने सरकार में शामिल होने से पहले अपनी अलग-अलग मांग रख रहे हैं, सूत्रों के अनुसार इस लिस्ट में सबसे ऊपर जनता दल यूनाइटेड है, आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि एनडीए के छोटे बड़े घटक दलों की तरफ से किस तरह की मांग रखी जा रही है । सूत्रों के हवाले से जो खबर सामने आ रही है उसके मुताबिक जनता दल यूनाइटेड के प्रमुख नीतीश कुमार ने मोदी 3.0 को अपना समर्थन दे दिया है. लेकिन समर्थन देने की शर्त ये रखी गई है कि उन्हें अपने हर चार सांसद पर एक मंत्री पद चाहिए. साथ ही छुष्ट ने वित्त, कृषि और रेल मंत्रालय भी मांगा है. आपको बता दें कि इस आम चुनाव में जदयू को कुल 12 सीटों पर जीत मिली है। खबरों के अनुसार जनता दल सेक्युलर ने भी एनडीए गठबंधन के तहत बीजेपी को समर्थन करने के लिए अपनी शर्त रखी है।

अब आगे क्या होगा?

आगे राह बीजेपी के लिए आसान नहीं

अभी 17 राज्यों में भाजपा सत्ता में है। लोकसभा चुनाव, अरुणाचल और ओडिशा में विधानसभा चुनाव के बाद अब तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होंगे। इनमें हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड शामिल हैं। अभी हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, महाराष्ट्र, ओडिशा में भाजपा की सरकार है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेदेपा, भाजपा और जनसेना का गठबंधन सत्ता में है। नीतीश, चंद्रबाबू और कुमारस्वामी, बीजेपी से क्या मांग रहे 3 दोस्त?मोदी सरकार सत्ता में लगातार तीसरी बार वापसी करने जा रही है. मोदी 3-0 के तहत इस बार की सरकार में बीजेपी के साथ-साथ एनडीए के सहयोगियों की भूमिका भी अहम होने वाली है।

महाराष्ट्र में असली व नकली रहा मुद्दा

ऐसा लगता है कि महाराष्ट्र ने राज्य में महायुति की जोड़ तोड़ की राजनीति को बुरी तरह नकार दिया है। शिवसेना (यूबीटी), शरद पवार की राकांपा और कांग्रेस वाला इंडिया ब्लॉक 48 लोकसभा सीटों में से 29 पर आगे चल रहा है। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती के छह घंटे बाद टीम ठाकरे महाराष्ट्र की 11 सीटों पर और पवार की राकांपा 5 सीटों पर आगे चल रही है। उनके अलग हुए गुट एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजीत पवार की राकांपा 5 और 1 सीटों पर आगे चल रहे हैं। कुल मिलाकर दोपहर 2 बजे तक इंडिया 29 सीटों पर और बीजेपी 18 सीटों पर आगे है। महाराष्ट्र उन राज्यों में से है जहां एनडीए को 2019 की तुलना में बड़ी सेंध लगी है। किसी अन्य राज्य में दो चुनावों के बीच राजनीतिक परिदृश्य इस प्रमुख राज्य की तरह नहीं बदला है। 2019 में बीजेपी और शिवसेना गठबंधन में थे। दोनों ने मिलकर 48 में से 41 सीटें जीतीं। राकांपा ने चार सीटें जीतीं और कांग्रेस को एक सीट मिली।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मजबूत विपक्ष मतलब ताकतवर लोकतंत्र

इस बात पर गौर किया जाना जरूरी है कि जनतंत्र की सफलता और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। 2024 के चुनाव नतीजों ने कुछ तानाशाही की ओर बढ़ती सत्ता के शिखर में बैठे लोगों के दंभ को जरूर तोड़ दिया है। पिछले दस साल से जिस विपक्ष को कमजोर हाने के ताने मारे जाते थे उस विपक्ष को मजबूत कर भारत के लोगों ने यहा जता दिया हमें एकतरफा व मनमानी चलाने वाली सरकार नहीं चाहिए। आम जन ने यह जता दिया सब का साथ, सब का विकास की बातें न हो वह हकीकत में दिखाई दे। आज विपक्ष मजबूत होता दिख रहा है। तरीफ विपक्ष की भी होनी चाहिए कि उन्होंने बहुमत के मामूली सीटों से दूर रहने के बाद भी किसी तरह की उठापटक नहीं करी बल्कि शांति से सकारात्मक विपक्ष के रूप में काम करने का संकल्प लिया। अब सत्ता पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह भारत के हित में विपक्ष के साथ मिलकर ऐसे फैसले ले जो देश को प्रगति के पथ पर उत्तरोत्तर आगे ले जाता रहे। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है।

संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमजोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मजबूती ही जनतंत्र को मजबूत बनाती है। दुर्भाग्य से चुनाव से पहले जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है। भाजपा अपनी ताकत पर 375 सीटें जीतने का दावा कर रही थी। इसके लिए वह जिस तरह की कोशिशों में लगी है, वह भी स्वस्थ जनतंत्र की दृष्टि से भरोसा नहीं दिलातीं। हर रोज इस आशय के समाचार मिल रहे हैं कि फलां पार्टी का फलां बड़ा नेता भाजपा में शामिल हो गया है। विपक्ष के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए भाजपा को आज इस बात की भी चिंता नहीं है कि उसका दामन थामने वाले की छवि कैसी है। कल तक जिसे वह घोर भ्रष्टाचारी बता रही थी, वही व्यक्ति उसके लिए स्वीकार्य बन रहा था। खैर अब तो चुनाव परिणा आ चुके हैं। जनता ने बीजेपी को बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर रोककर उन्हें यह सबक दे दिया है जनता ही सर्वेसर्वा हैं। आमजन को नजरअंदाज कर सत्ता चलाएंगे तो एक न एक दिन जनता की नाराजगी का शिकार तो होना ही होगा।

“ पिछले दस साल से जिस विपक्ष को कमजोर हाने के ताने मारे जाते थे उस विपक्ष को मजबूत कर भारत के लोगों ने यहा जता दिया हमें एकतरफा व मनमानी चलाने वाली सरकार नहीं चाहिए। आम जन ने यह जता दिया सब का साथ, सब का विकास की बातें न हो वह हकीकत में दिखाई दे। आज विपक्ष मजबूत होता दिख रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इंदौर में स्वीकारने व नकारने के दो अनूठे रिकॉर्ड

हेमंत पाल

इस बार के लोकसभा चुनाव में जो अजूबे हुए उनमें 'नोटा' में रिकॉर्ड वोट पड़ना भी एक है। यह कमाल इंदौर संसदीय क्षेत्र में हुआ। लेकिन, इसी सीट पर भाजपा उम्मीदवार को सबसे ज्यादा वोट भी मिले और वे देश में सबसे बड़े अंतर से जीतने वाले उम्मीदवार भी बने। एक शहर में एक ही चुनाव में दो ऐसे रिकॉर्ड बने, जो एक-दूसरे के विपरीत रहे। यानी सर्वाधिक स्वीकार्य भाजपा उम्मीदवार रहे। वे देश में सबसे ज्यादा अंतर से जीतने वाले नेता भी रहे। लेकिन, 'नोटा' में वोट देकर सबसे ज्यादा मतदाताओं ने उन्हें अस्वीकार्य भी किया! पेंच सिर्फ इतना था कि भाजपा उम्मीदवार के सामने कांग्रेस का कोई उम्मीदवार नहीं था। दरअसल, इंदौर में कोई नहीं हारा। भाजपा उम्मीदवार शंकर लालवानी को 12 लाख 26 हजार 751 वोट मिले और वे 11,75,092 वोटों के बड़े अंतर से जीते। जबकि, कांग्रेस की अपील पर 'नोटा' में 2,18,674 वोट पड़े, जो देश में एक रिकॉर्ड है।

इंदौर ऐसा शहर रहा, जिसके मतदाताओं ने एक ही चुनाव में स्वीकारने और नकारने का रिकॉर्ड बनाया। भाजपा उम्मीदवार ने देश में सबसे ज्यादा वोट पाकर और सबसे बड़े अंतर से चुनाव जीता, तो यहीं सबसे ज्यादा वोट 'नोटा' में भी गिरे। इस तरह इंदौर में दो अलग-अलग तरह के रिकॉर्ड बने। ऐसी स्थिति में भाजपा देश में अपनी सबसे बड़ी जीत का जश्न मना रही है और कांग्रेस 'नोटा' में पड़े रिकॉर्ड वोटों का। तात्पर्य यह कि दोनों ही पार्टियां अपनी-अपनी उपलब्धियों से खुश हैं। मतदान और नतीजों से पहले इंदौर संसदीय सीट के नतीजे को लेकर यहां न तो कोई उत्सुकता थी और न नतीजे का इंतजार। इस सीट पर कोई मुकाबला भी नहीं था। सारी उत्सुकता सिर्फ दो आंकड़ों को लेकर बची थी। पहला तो यह कि भाजपा उम्मीदवार अपने निकटतम उम्मीदवार से कितने अंतर से चुनाव जीतते हैं। दूसरा, 'नोटा' के खाते में जाने वाले वोट कितने होंगे। रिकॉर्ड बनाना और कुछ नया करना इंदौर वासियों की आदत रही है। स्वच्छता में सात बार अव्वल रहने वाला इंदौर अब राजनीतिक उलटफेर में भी देश में छाया हुआ है।

इस संसदीय क्षेत्र में इस बार जो हुआ, वो चुनाव इतिहास में अजूबा ही कहा जाएगा। यहां जिस दिन नाम वापसी का दिन था, उसी दिन कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपना नाम वापस लेकर कांग्रेस पार्टी को मुकाबले से

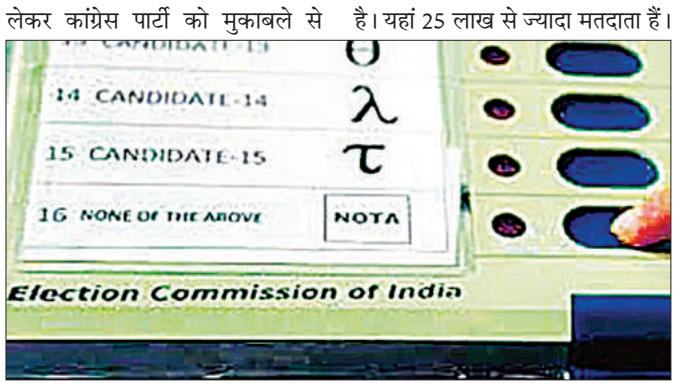

बाहर कर दिया। उन्होंने न सिर्फ चुनाव मैदान छोड़ा, बल्कि उसी समय प्रतिद्वंद्वी पार्टी भाजपा में शामिल भी हो गए। यह भी तो देश के चुनाव इतिहास में हुई अजीब घटना थी। इस पर कांग्रेस ने कोई नया प्रयोग नहीं किया और बजाय किसी निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन देने के एक तरह से समर्पण कर दिया। लेकिन, मतदाताओं से यह आह्वान जरूर किया कि वे यदि इन हालात को लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानते तो ईवीएम मशीन का सबसे आखिरी वाला 'नोटा' का बटन दबाएं। इससे देश के सामने यह संदेश जाएगा कि जो हुआ वो ठीक नहीं था। कांग्रेस की इस अपील का अच्छा असर हुआ और 'नोटा' खिलखिला उठा। सवाल उठता है कि इंदौर में 'नोटा' में सबसे ज्यादा वोट डालने वाला इलाका कौन-सा था, तो निर्वाचन आयोग ने इसका हिसाब भी दे दिया। देखा गया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में 'नोटा' को बंपर वोट मिले। इंदौर के विधानसभा क्षेत्र-5 में सबसे ज्यादा 53133 वोट मिले। खजराना और आजाद नगर भी मुस्लिम बहुल क्षेत्र आते हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा वोट इंदौर विधानसभा क्षेत्र-1 में 31835 में 'नोटा' के खाते में गए। चंदन नगर मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। विधानसभा क्षेत्र-2 में 21330 वोट, इंदौर क्षेत्र-3 में 23618, इंदौर क्षेत्र-4 में 22956, राऊ में 28626, देपालपुर में 17771 और सांवेर में 19086 वोट मतदाताओं ने 'नोटा' को दिए। इस शहर ने चुनाव के इतिहास में अपना नाम अलग तरह से दर्ज कराया है। यहां 25 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इनमें से करीब साढ़े 15 लाख ने वोट डाले। तय था कि इसमें ज्यादातर वोट उस भाजपा उम्मीदवार के खाते में जाएंगे, जिसके सामने कोई मुकाबले में ही नहीं था। कांग्रेस ने 'नोटा' को अपने उम्मीदवार की तरह माना और अपील की थी, कि वे ईवीएम में 'नोटा' का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज करें।

इस वजह से उम्मीद की जा रही थी कि 'नोटा' में सर्वाधिक वोट का देश में दर्ज पुराना रिकॉर्ड टूटेगा, जो अभी तक बिहार की गोपालगंज संसदीय सीट के नाम दर्ज है। वहां 2019 में 'नोटा' के खाते में 61,550 वोट पड़े थे। अनुमान था कि इस बार इंदौर इस आंकड़े से बहुत आगे निकल सकता है। भाजपा उम्मीदवार ने पिछला चुनाव साढ़े 5 लाख वोटों के अंतर से जीता था। इस बार उम्मीदवार 11 लाख से ज्यादा वोटों से जीते। इससे एक तरफ ईवीएम में 'नोटा' के बटन दबाने का रिकॉर्ड बना, दूसरी तरफ भाजपा उम्मीदवार की जीत का।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ा एयर टर्बुलेंस का खतरा

मुकुल व्यास

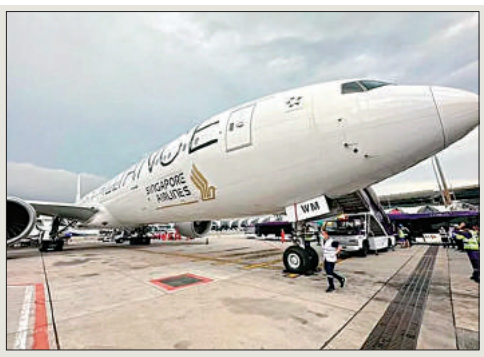

हाल ही में आकाश में दो विमानों को टर्बुलेंस (वायुमंडलीय अस्थिरता) का सामना करना पड़ा। लंदन से सिंगापुर जाने वाली सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में तीव्र टर्बुलेंस से एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई और कई अन्य बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के कुछ दिन बाद ही दोहा से डबलिन जा रहे कतर एयरवेज के विमान में टर्बुलेंस आने से 12 लोग घायल हो गए। सिंगापुर एयरलाइंस के विमान में आई भीषण टर्बुलेंस की शुरुआती जांच से पता चला है कि विमान 4.6 सेकंड में लगभग 54 मीटर नीचे गिर गया था। सिंगापुर के ट्रांसपोर्ट सेफ्टी इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के प्रारंभिक निष्कर्षों में गुरुत्वाकर्षण बल में तेजी से परिवर्तन और ऊंचाई में गिरावट पाई गई। यह दूरी इटली के पीसा की झुकी हुई मीनार की ऊंचाई के लगभग बराबर है।

इस घटना में संभवत: वे लोग घायल हुए जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। हवाई यात्रियों के लिए थोड़ी बहुत टर्बुलेंस एक आम अनुभव है। लेकिन हालिया स्तर की गंभीर घटनाएं दुर्लभ हैं, जब वे घटती हैं तो घातक हो सकती हैं। टर्बुलेंस हवा के अनियमित प्रवाह के कारण होती है, जिससे यात्रियों और चालक दल को अचानक साइड में और ऊपर की तरफ तगड़े झटके लगते हैं। एयर टर्बुलेंस की घटना कहीं भी हो सकती है, लेकिन कुछ मार्गों पर यह दूसरों की तुलना में कहीं अधिक आम है। जलवायु परिवर्तन से एयर टर्बुलेंस की संभावना बढ़ने और इसके और अधिक तीव्र होने की आशंका है। वास्तव में, कुछ शोध से संकेत मिलता है कि पिछले कुछ दशकों में टर्बुलेंस की स्थिति पहले से बदतर हो गई है। लगभग हर उड़ान किसी न किसी रूप में एयर टर्बुलेंस का अनुभव करती है। यदि कोई विमान दूसरे विमान के पीछे उड़ान भर रहा है या उतर रहा है तो पहले विमान के इंजन और पंखों के सिरों द्वारा उत्पन्न हवा पीछे वाले के लिए टर्बुलेंस का कारण बन सकती है। हवाई अड्डे के पास के क्षेत्र से गुजरने वाली तेज हवाओं के कारण एयर टर्बुलेंस हो सकती है। अधिक ऊंचाई पर विमान यदि किसी अन्य विमान के करीब उड़ रहा हो या तूफान की चपेट में आया हो तो भी टर्बुलेंस की घटना घट सकती है।

एक अन्य प्रकार की एयर टर्बुलेंस जो अधिक ऊंचाई पर होती है, उसका पूर्वानुमान लगाना कठिन होता है। इसे क्लियर एयर टर्बुलेंस कहते हैं। जैसा कि नाम से स्पष्ट है, यह अदृश्य होती है। यह तूफान या बादलों जैसे किसी भी दृश्य संकेत से जुड़ी नहीं होती। नियमित टर्बुलेंस के विपरीत यह अचानक आती है और इससे बचना मुश्किल होता है। यह अक्सर गर्म हवा के ठंडी हवा की तरफ बढ़ने के कारण होता है। जलवायु परिवर्तन के कारण इसके बदतर होने की आशंका है। सबसे बुनियादी स्तर पर एयर टर्बुलेंस दो या दो से अधिक पवन संबंधित घटनाओं के टकराने का परिणाम है। ऐसा अक्सर पर्वत श्रृंखलाओं के पास होता है, क्योंकि भूभाग पर बहने वाली हवा ऊपर की ओर तेज हो जाती है। टर्बुलेंस की घटनाएं अक्सर जेट स्ट्रीम के किनारों पर भी होती हैं। जेट स्ट्रीम दरअसल दुनिया भर में ऊंचाई पर चक्कर लगाने वाली तेज हवाओं की पतली पट्टियां हैं। गति बढ़ाने के लिए विमान अक्सर जेट स्ट्रीम में यात्रा करते हैं लेकिन जेट स्ट्रीम में प्रवेश करते या छोड़ते समय कुछ टर्बुलेंस हो सकती है।

अमेरिका में हर साल लगभग 65,000 विमान मध्यम टर्बुलेंस और लगभग 5,500 गंभीर टर्बुलेंस का सामना करते हैं। हालांकि यह संख्या बढ़ने वाली है। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग में वायुमंडलीय विज्ञान के प्रोफेसर पॉल विलियम्स का मानना है कि जलवायु परिवर्तन टर्बुलेंस को बदल रहा है। विलियम्स ने कहा, हमने कुछ कंप्यूटर सिमुलेशन चलाए और पाया कि आने वाले दशकों में गंभीर टर्बुलेंस दोगुनी या तिगुनी हो सकती है। संपूर्ण विश्व में टर्बुलेंस पैटर्न का मानचित्रण करना संभव है। वैकल्पिक हवाई अड्डों या आपात स्थितियों के लिए अग्रिम योजना बनाने के लिए एयरलाइंस इन मानचित्रों का उपयोग करती हैं। मौसम की स्थिति के साथ टर्बुलेंस बदलती है। कुछ क्षेत्रों और मार्गों पर दूसरों की तुलना में इसका खतरा अधिक होता है। टर्बुलेंस वाले अधिकांश मार्ग पहाड़ों के करीब से गुजरते हैं। पिछले साल प्रकाशित एक अध्ययन में 1979 और 2020 के बीच क्लियर टर्बुलेंस में बड़ी वृद्धि का प्रमाण मिला। कुछ स्थानों पर गंभीर टर्बुलेंस में 55 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। वर्ष 2017 में एक अलग अध्ययन में जलवायु मॉडलिंग का उपयोग करके यह अनुमान लगाया गया कि कुछ जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत, 2050 तक क्लीयर एयर टर्बुलेंस में चार गुना वृद्धि आम हो सकती है।

टर्बुलेंस का पता लगाने की तकनीक अभी भी अनुसंधान और विकास के चरण में है। इसलिए पायलट अपने उड़ान पथ से ठीक पहले उच्च स्तर की नमी वाले मौसम से बचने की कोशिश करते हैं। इसके लिए वे सर्वोत्तम योजना निर्धारित करने के लिए मौसम राडार से प्राप्त ज्ञान का उपयोग करते हैं। जब उन्हें अत्यंत तीव्र टर्बुलेंस का सामना करना पड़ता है, तो वे तुरंत सीट बेल्ट बांधने के संकेत चालू कर देते हैं और विमान को धीमा करने के लिए इंजन का जोर कम कर देते हैं। भू-आधारित मौसम विज्ञान केंद्र उपग्रहों की सहायता से मौसम के मिजाज को विकसित होते हुए देख सकते हैं। वे वास्तविक समय में उड़ान कर्मियों को यह जानकारी दे सकते हैं कि उनकी उड़ान के दौरान मौसम कैसा रहेगा। यदि अपेक्षित उड़ान मार्ग पर तूफान विकसित होता है तो इसमें अपेक्षित टर्बुलेंस के क्षेत्र भी शामिल हो सकते हैं। ऐसा लगता है कि दुनिया और अधिक टर्बुलेंस वाले समय की तरफ बढ़ रही है। एयरलाइंस विमानों और यात्रियों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। लेकिन आम हवाई यात्री के लिए खास संदेश यह है कि वे सीट बेल्ट बांधने के निर्देश की अनदेखी न करें।

भूख न लगने से शरीर में पौष्टिकता की कमी हो सकती है। इसलिए योग भूख बढ़ाने में सहायक हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है। और शरीर ठीक हो जाता है।

भूख बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

भूख न लगना और दिनभर बिना खाए रहना एक सामान्य समस्या है जो किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है। हालांकि इसके कुछ अहम कारण और दुष्प्रभाव हो सकते हैं। कई बार स्वास्थ्य समस्याओं जैसे डायबिटीज, थायराइड, कैंसर या अन्य रोगों के कारण भूख कम हो जाती है। मानसिक तनाव व चिंता भी भूख लगने की प्रक्रिया को प्रभावित करती है। अनियमित और अपूर्ण आहार, व्यस्त जीवनशैली, दवाओं के सेवन, मासिक धर्म के समय आदि कई कारणों से भूख कम हो सकती है। वहीं भूख न लगने से शरीर में पौष्टिकता की कमी हो सकती है। इस कारण वजन कम होता है, कमजोरी आ सकती है और लंबे समय तक भूखे रहने से व्यक्ति को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विकारों का सामना करना पड़ सकता है। इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए योगासन का अभ्यास कर सकते हैं। योग भूख बढ़ाने में सहायक हो सकता है, जिससे स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहता है।

भुजंगासन

भूख न लगने का एक कारण पेट की गड़बड़ी हो सकती है। भुजंगासन का अभ्यास भूख न लगने की समस्या को हल कर सकता है और पाचन को बेहतर बनाने के लिए फायदेमंद है। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर दोनों हाथ साइड में रखें और पैरों के बीच दूरी बनाएं। अब दोनों हाथों पर प्रेशर देते हुए शरीर के अगले हिस्से को उठाएं। इस अवस्था में आसमान की ओर देखते हुए सांसों को क्रम सामान्य बनाए रखें। कुछ देर इसी स्थिति में रहें और फिर धीरे-धीरे प्रारंभिक स्थिति में लौट आएं। लिवर और किडनी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी भुजंगासन के लाभ अहम भूमिका निभा सकते हैं। दरअसल, शरीर में उपापचय संबंधी गड़बड़ी किडनी विकार और फैटी लिवर की समस्या का कारण बन सकती है। वहीं, भुजंगासन उपापचय की बिगड़ी स्थिति को सुधारने में मदद कर सकता है। वहीं एक अन्य शोध में माना गया है कि भुजंगासन शरीर में रक्त संचार को बढ़ाकर कई अंगों को स्वस्थ रखने में मदद कर सकता है, जिनमें किडनी और लिवर भी शामिल हैं। इस आधार पर भुजंगासन को किडनी और लिवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में भी प्रभावी माना जा सकता है।

वज्रासन

भूख बढ़ाने के लिए वज्रासन का अभ्यास फायदेमंद हो सकता है। इस आसन को आप कभी भी और कहीं भी कर सकते हैं। वज्रासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं। इस स्थिति में पैरों के बीच गैप न हो और दोनों पैरों के अंगूठे एक साथ मिले होने चाहिए। हिप्स को एड़ियों पर टिकाते हुए कमर को सीधा रखें और हथेलियों को घुटनों पर रखें। ध्यान रखें कि दोनों घुटने भी आपस में मिले हों। कुछ देर सामान्य रूप से श्वास लेते हुए ध्यान केंद्रित करें। थोड़ी देर में सामान्य स्थिति में लौट आएं।

धनुरासन

धनुरासन वजन कम करने के साथ ही पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और भूख न लगने की समस्या को दूर करने के लिए काफी अच्छा माना जाता है। धनुरासन के अभ्यास के लिए मैट पर पेट के बल लेटकर दोनों पैरों के बीच दूरी बना लें। घुटनों को ऊपर की ओर मोड़ते हुए एड़ियों को हाथों से पकड़ें और छाती व पैरों को ऊपर उठाएं। बाजुओं और थाइज पर खिंचाव को महसूस करें। इस अवस्था में कुछ देर रहने के बाद धीरे-धीरे प्रारंभिक अवस्था में लौट आएं। शरीर को कोर मसल्स को मजबूत करने में मदद करता है। पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में सहायता मिलती है। पैरों की मांसपेशियों को स्ट्रेच करके मजबूत करने में मदद मिलती है। पुराने कब्ज को ठीक करने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

साइंस की टीचर क्लास में पढ़ा रही थी, टीचर ने पप्पू से कहा- तू बता जिन्दा रहने के लिए क्या क्या चीजें जरुरी हैं, पप्पू -नहीं पता, मैडम, टीचर-अरे जो आता है वही बता, पप्पू- जिन्दा रहने के लिए तेरी कसम, एक मुलाकात जरुरी है सनम, दे थप्पड़ दे थप्पड़।

टीचर- तुम परिंदो के बारे में सब जानते हो, संजू- हां, टीचर- अच्छा ये बताओ कौन सा परिंदा उड़ नहीं सकता, संजू- मरा हुआ परिंदा, भाग पागल कहीं का।

टीचर- मैं सुंदर थी, सुंदर हूं, सुंदर रहूंगी। इसी तरह तीनों काल का उदाहरण दो। हरयाणवी छात्र- तन्नै वहम था, तन्नै वहम है, तन्नै वहम रवैगा। टीचर- नालायक, तमीज से बताओ। छात्र- आदरणीय मैडम जी आप भूंडी थी, भूंडी हैं, भूंडी रहेंगी।

टीचर क्लास में- दिल्ली में कुतुब मीनार है.. पप्पू क्लास में सो रहा था..टीचर ने उसे जगाया और पूछा-बता मैंने अभी क्या बोला.. पप्पू- दिल्ली में कुत्ता बीमार है।

रिश्ते वाले- जी लड़की ने क्या किया हुआ है? घरवाले- जी इसने नाक में दम किया हुआ है, आप इसे ले जाएं बस।

कहानी | कर्ण और दुर्योधन की मित्रता

कर्ण और दुर्योधन की मित्रता महाभारत में दोस्ती की मिसाल पेश करती है। इनकी गहरी दोस्ती की कई कहानियां महाभारत में प्रचलित हैं। एक बार की बात है, गुरु द्रोणाचार्य ने राजकुमारों के बीच प्रतियोगिता रखी, जिसमें उन्हें कई करतब दिखाने थे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने कौरवों और पांडवों के अलावा दूर-दूर के राज्यों से भी राजकुमार आए थे। इस प्रतियोगिता में अर्जुन ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तभी वहां कर्ण आ गया। कर्ण ने वो सारे करतब कर दिखाए, जो अर्जुन कर चुका था। इसके बाद कर्ण ने अर्जुन को मुकाबले के लिए ललकारा, लेकिन गुरु द्रोणाचार्य ने इस मुकाबले के लिए मना कर दिया, क्योंकि कर्ण कोई राजकुमार नहीं था और यह प्रतियोगिता राजकुमारों के बीच थी। वहीं, दुर्योधन नहीं चाहता था कि यह प्रतियोगिता अर्जुन जीत जाए, इसलिए दुर्योधन ने कर्ण को अंग देश का राज सौंप दिया और उसे अंगराज घोषित कर दिया। इस तरह दुर्योधन ने कर्ण को अर्जुन से मुकाबला करने की योग्यता दी। इस घटना के बाद कर्ण सदा दुर्योधन का आभारी रहा और उसे अपना परम मित्र मानने लगा। कर्ण ने हमेशा दुर्योधन की मदद की और एक ईमानदार साथी का फर्ज निभाया। कर्ण बहुत वीर था, इसलिए वह दुर्योधन को योद्धा की तरह लड़ने की शिक्षा देता था। दुर्योधन जब भी अपने मामा शकुनि के बहकावे में आकर पांडवों को धोखा देने की सोचता, तो कर्ण उसे कायर कहकर धिक्कार देता था। एक बार दुर्योधन ने जब पांडवों को जलाकर मारने के लिए लाक्षागृह का निर्माण करवाया, तो कर्ण को यह बात बहुत बुरी लगी। कर्ण ने कहा, दुर्योधन तुम्हें युद्ध के मैदान में अपनी वीरता का प्रदर्शन करना चाहिए, न कि छल कपट करके अपनी कायरता का प्रदर्शन करना चाहिए। कर्ण ने हमेशा मुसीबत में फंसे दुर्योधन का साथ दिया। दुर्योधन चित्रांगद की राजकुमारी से शादी करना चाहता था, लेकिन राजकुमारी ने उसे स्वयंवर में अस्वीकार कर दिया था। दुर्योधन तिलमिलाकर राजकुमारी को जबरदस्ती उठा लाया। अन्य राजा दुर्योधन के पीछे-पीछे भागे, वो दुर्योधन को मार देना चाहते थे। यहां भी कर्ण ने दुर्योधन की मदद की और सभी राजाओं को परास्त कर दिया। महाभारत में कई ऐसी घटनाएं हैं, जो साबित करती हैं कि कर्ण एक वीर योद्धा और दुर्योधन का वफादार साथी था।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

सिंह पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

धनु यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

ट्रोल्स पर फूटा अवनीत कौर का गुस्सा

कुछ अच्छा नहीं बोल सकते हैं तो कम से कम बुरा मत बोलिए

अवनीत कौर बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। कुछ ही दिनों में उनकी फिल्म लव की अरेंज मैरिज जी फाइव पर स्ट्रीम करने वाली है। इस फिल्म में सनी सिंह और अन्नू कपूर जैसे दिग्गज कलाकारों के संग काम करती नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वे हाल ही में संपन्न हुए कान फिल्म फेस्टिवल में भी शामिल हुईं। जिसके लिए उन्हें काफी ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। पिछले महीने संपन्न हुए कान फिल्म फेस्टिवल में कई स्टार्स की तरह अवनीत कौर भी पहली बार नजर आईं, लेकिन यह बात ट्रोल्स को हजम नहीं हुई। उन्होंने अवनीत कौर की जमकर ट्रोलिंग की और लिखा, ये वहां क्या करने गई है। वहीं कुछ लोगों ने लिखा, इसका जाना क्यों बनता है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अवनीत कौर ट्रोल्स को जवाब देते हुए बोलीं, सबसे बड़ी बात तो यह होनी चाहिए कि आपके देश का कोई कलाकार वहां पहुंचा है तो आप गर्व महसूस करिए, लेकिन गर्व के बजाय आप ट्रोल कर रहे हैं। आप लिख रहे हैं कि इसका क्या काम है वहां। ये क्यों गई है। आप कुछ अच्छा नहीं बोल सकते हैं तो कम से कम बुरा मत बोलिए। अवनीत कौर अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, ताहा शाह वहां गए थे और भी लोग थे और लोग उनके लिए खुश हो रहे थे। वैसे ही मैं भी अपनी फिल्म के लिए वहां गई थी, लेकिन पता नहीं सबको क्या परेशानी है। क्यों इतनी नकारत्मकता फर्क बुरा लिखकर क्यों जाते हैं। अवनीत कौर कान फिल्म फेस्टिवल में नेवी ब्लू आउटफिट में नजर आई थीं। उनकी इस ड्रेस की काफी तारीफ भी हुई। अवनीत कहती हैं, नैंसी त्यागी से लेकर और भी दूसरे कई सितारे पहली बार कान गए थे। मैं उन सबके लिए खुश हूं। हम आगे बढ़ रहे हैं और हमारे साथ हमारा देश भी आगे बढ़ रहा है ये खूबसूरत बात है।

इंस्टाग्राम गेम स्ट्रांग करो तभी मिलेगा काम : जोया

अलीवुड में कास्टिंग का तरीके ट्रेंड के हिसाब से बदलता रहता है। अब स्टार्स की मानी जाए तो फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर की इंस्टाग्राम प्रेजेंस उनके काम से ज्यादा मायने रखने लगी है। कुछ वक्त पहले सीनियर एक्ट्रेस रत्ना पाठक शाह ने बताया था कि वो पिछले एक साल से बेरोजगार हैं। रत्ना का कहना था कि वो इंस्टाग्राम पर नहीं हैं और इसी के चलते उन्हें काम ऑफर नहीं हो रहा है। अब भैया जी फिल्म की एक्ट्रेस जोया हुसैन ने भी इसे लेकर बात की है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी इंस्टाग्राम फैन फॉलोइंग कम होने की वजह से उन्हें प्रोजेक्ट्स में से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था।

जोया हुसैन ने 2017 में आई फिल्म मुक्काबाज से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जोया हुसैन के काम को पसंद किया गया। भैया जी बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली जोया हुसैन की लेटेस्ट फिल्म है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपनी बॉलीवुड जर्नी और करियर के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि अभी तक के रास्ते में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने उन्हें अंदर से तोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने सीखा कि इसके बावजूद आगे कैसे बढ़ना है।

जोया हुसैन ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री में आपके क्रॉफ्ट से चीजों का कुछ खास लेना-देना नहीं है। दुर्भाग्य की बात है कि यहां चीजें ऐसे ही काम करती हैं। जोया से पूछा गया कि क्या कभी उनका इंस्टाग्राम उनकी कास्टिंग के आड़े आया है? जवाब में उन्होंने कहा, पता नहीं ऐसा खासतौर पर इंस्टाग्राम की वजह हुआ है या नहीं, लेकिन मुझे अतीत में कई प्रोजेक्ट से इसलिए निकाल दिया गया था, क्योंकि मेरे पास ज्यादा फॉलोअर्स नहीं थे या मैं उतनी फेमस नहीं थी। ये एक ऐसी चीज है जिसका जाहिर तौर पर मैंने सामना किया है।

जोया से पूछा गया कि अगर क्रॉफ्ट के हिसाब से एक्टर्स को कास्ट नहीं किया जाता, तो फिर वो इस चीज से आगे कैसे बढ़ते हैं। एक्ट्रेस ने कहा, ऐसा नहीं है कि आपको नोटिस नहीं किया जाएगा, लेकिन इसमें बहुत ज्यादा समय लग जाता है। तब तक खुद को मोटीवेट रखना बहुत मुश्किल हो जाता है। अगर आपको कोई इसलिए कास्ट नहीं कर रहा है, क्योंकि आपके फॉलोवर्स कम हैं, तो फिर क्या कर सकते हैं?

टीवी शो विद्या के मेकर्स ने चार साल से नहीं दिया पैसा : मीरा

रावी शो उड़ान में चकोर का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस मीरा देवस्थले काफी समय से अपने नए प्रोजेक्ट के कारण चर्चा में नहीं आई हैं, लेकिन अब उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट काफी वायरल होने लगा है। इसमें एक्ट्रेस ने एक शो के निर्माता महेश पांडे पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि प्रोड्यूसर्स ने अब तक उनकी फीस नहीं दी है और वह पिछले 4 सालों से अपने पैसे मांग रही हैं।

बुधवार को मीरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक न्यूज का पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट भी लिखा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक शो विद्या में काम किया था, जिसके मेकर्स ने अब तक उनका पैसा नहीं दिया है। 4 सालों तक अपने पैसों के लिए संघर्ष के बाद भी जब मीरा को कोई रास्ता नहीं नजर आया तो उन्होंने पूरे देश के सामने इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया।

मीरा ने इस पोस्ट में लिखा, महेश पांडे प्रोडक्शंस 4 साल हो गए हैं अब। विद्या के बाद प्रोडक्शन हाउस गुप्ता ब्रदर्स शो का निर्माण किया। आपने खुद एक प्रमुख GEC चैनल पर प्रोग्रामिंग हेड के तौर पर काम किया। प्रोडक्शन हाउस में लगातार काम हो रहा है। कोई छूट नहीं मांगना, बल्कि 4 साल से मेरा बकाया नहीं दिया गया और इसके लिए मुझसे भीख मांगने पर मजबूर कर देना, यह पूरी तरह से उत्पीड़न है।

मीरा ने पोस्ट में आगे लिखा, 4 साल पहले काटे गए TDS का भुगतान अब भी सरकार को नहीं किया गया। मुझे मेरी मेहनत की कमाई देकर कोई एहसान नहीं कर रहे। शिकायत करने वाली सिर्फ मैं ही एक नहीं हूं, लेकिन मैंने मीडिया से इस बारे में बात की इसीलिए मैं ही नजर आई। बता दे कि मीरा का यह शो 2020 में बंद हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो एक्ट्रेस ने CINTAA में इसकी शिकायत दर्ज

अजब-गजब | अमेजन के जंगलों में रह रहे आदिवासियों की है अजीब दास्तां

एलन मस्क ने मॉडर्न बनाने के लिए लगाया इंटरनेट, ये हर समय चिपके रहते हैं फोन पर

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जो आज भी मुख्यधारा से कटी हुई है। ये खुद को दुनिया की नजरों से छुपा कर रखते हैं। इनमें से कुछ ट्राइब्स के लोग बेहद खतरनाक होते हैं, तो कुछ लोग बाहरी दुनिया के संपर्क में होते हैं। बड़े-बड़े एनजीओ से लेकर देश की सरकारें तक इनको मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश करती हैं, लेकिन ज्यादातर जनजातियां इसे नकार देती हैं। ऐसे में उन जंगलों के बीच में ही इन्हें जरूरी सामान मुहैया करा दिया जाता है, ताकि इनकी जिंदगी सरल हो सके। ऐसी ही एक जनजाति अमेजन के जंगलों में रहने वाली मारुबो ट्राइब्स है। इनकी जिंदगी को आसान और मॉडर्न बनाने के उद्देश्य से एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने इन्हें इंटरनेट उपलब्ध कराया, लेकिन यहां के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल किसी और काम में करने लगे।

बताया जाता है कि एलन मस्क के स्टारलिंक उपग्रहों के माध्यम से इन तक इंटरनेट तक पहुंचाने के बाद अमेजन वर्षावन में एक मारुबो जनजाति अब गंदी-गंदी फिल्में देखने और सोशल मीडिया साइटों को स्क्रॉल करने की आदी हो गई है। इतना ही नहीं, ब्राजील में इतुई नदी के किनारे बिखरी बस्तियों में रहने वाले मारुबो ट्राइब्स के स्थानीय लोग भी तेजी

से ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। शुरुआती दौर में इस जनजाति के लोगों ने इंटरनेट का बहुत सही इस्तेमाल किया, इसके महत्व को भी समझा। उन्हें तुरंत पता चल गया कि इंटरनेट के जरिए दूर रहकर भी परिवार और दोस्तों से संपर्क किया जा सकता है। लेकिन धीरे-धीरे यहां के लोगों को एक और परेशानी ने घेर लिया।

दरअसल, इंटरनेट की वजह से यहां के लोग आलसी होने लगे। मारुबो के बुजुर्ग लोगों का कहना है कि उनके समुदाय के लोगों का मन अब काम में नहीं लगता है। वे हमेशा फोन से चिपके रहते हैं। युवा वर्ग डर्टी मूवीज के साथ-साथ इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइटों पर अश्लील स्क्रॉलिंग के भी आदी हो गए हैं। 40 वर्षीय एनोके मारुबो ने न्यूयॉर्क टाइम्स के संवाददाताओं को बताया कि इंटरनेट की वजह से हमारी दिनचर्या पूरी तरह बदल रही है। लोग काम करना नहीं चाहते। ऐसे में अगर ये लोग शिकार नहीं करेंगे, मछली नहीं पकड़ेंगे, पेड़-पौधे नहीं लगाएंगे तो खाना कैसे खाएंगे?

जनजाति के एक अन्य सदस्य अल्फ्रेडो मारुबो ने बताया कि कैसे डर्टी फिल्में देखने से स्थानीय लोगों, विशेषकर युवा पुरुषों और महिलाओं का सेक्सुअल बिहेव बदलने लगा है। ये लोग अब ग्रुप चैट में अश्लील तस्वीरें और स्पष्ट वीडियो भी शेयर करने लगे हैं। एक अन्य शख्स ने कहा कि जब हमारे बीच इंटरनेट आया तो हम सभी खुश थे, लेकिन अब हालात बदतर होते जा रहे हैं। यहां के लोग हमारी परंपरा को छोड़कर बाहरी दुनिया के तौर-तरीके अपना रहे हैं, जो बिल्कुल ठीक नहीं है। हालांकि, इन्होंने स्वीकार किया कि अब इंटरनेट के बगैर जीना बेहद मुश्किल है, लेकिन लोगों को इसका गलत उपयोग नहीं करना चाहिए।

अजब फ्रॉड : मौत के बाद भी महिला ने 14 साल तक की नौकरी, रोज जाती थी दफ्तर

कई रहस्य ऐसे होते हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। आपने आत्माओं और भूत प्रेतों की कई कहानियां सुनी होंगी। कई लोगों ने दावे किए हैं उन्होंने मौत के उस व्यक्ति की आत्मा देखी। अब एक महिला की मौत से जुड़ा ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। दरअसल, एक महिला अपनी मौत के बाद भी रोजाना दफ्तर जाती रही। मौत के बाद भी उसने 14 साल तक नौकरी की और इसके बाद पेंशन भी ली।

यह अजीबोगरीब मामला चीन से सामने आया है। दरअसल, यहां एक फैक्ट्री में काम करने वाली एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। मौत होने के बाद भी वह महिला हर रोज काम पर आती रही। इतना ही नहीं उसने रिटायरमेंट भी लिया और साल 2023 तक पेंशन भी उठाती रही। बाद में जब मामले की सच्चाई सबको पता चली तो सबके पैरों तले जमीन खिसक गई।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक 1993 में वुहान की एक फैक्ट्री में काम करने वाली महिला की मौत हो गई। इसके बाद भी वह महिला वर्ष 2007 तक उस फैक्ट्री में रोज़ाना काम पर आती देखी गई। 14 साल तक उसने उस जगह पर काम किया। इसके बाद साल 2023 तक उसने अपनी पेंशन भी ली। इस दौरान उसे 393,676 युआन पेंशन के रूप में मिलते रहे। आप सोच रहे होंगे कि मरने के बाद कोई नौकरी कैसे कर सकता है। दरअसल, यह एक फ्रॉड था जो महिला की चचेरी बहन ने किया था। दरअसल, इनर मंगोलिया की रहने वाली महिला ने कार दुर्घटना में अपनी चचेरी बहन के मरने के बाद चुपचाप उसकी आईडी ली और उसकी फैक्ट्री में काम करना शुरू कर दिया। इसके बाद साल 2007 तक महिला ने उस फैक्ट्री में काम किया। वुहाई के हैबोवन डिस्ट्रिक्ट पीपुल्स कोर्ट के मुताबिक, उसने 16 साल तक पेंशन भी ली। जब उसका ये फ्रॉड खुला, तो महिला ने सारी बातें स्वीकार कीं और पैसे चुकाने की भी बात कही। एक तरफ जहां उसे 3 साल की सज़ा और करीब 3 लाख का जुर्माना भरने के लिए कहा गया है, वहीं सोशल मीडिया पर लोग उसका पक्ष ले रहे हैं।

छिंदवाड़ा में हार के कारणों का करेंगे पोस्टमार्टम

» नकुल बोले- बोरिया बिस्तर बांधकर नहीं जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस का सफाया हो गया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का गढ़ कहे जाने वाले छिंदवाड़ा में भी पार्टी का प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत पाया। कमलनाथ के बेटे नुकल नाथ बड़े अंतर से चुनाव हार गए। भाजपा उम्मीदवार रहे बंटी विवेक साहू ने उन्हें 113618 वोटों से मात दे दी। इस हार को लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ ने छिंदवाड़ा पहुंचकर कांग्रेस पदाधिकारी के साथ हार की समीक्षा की। खुद नकुल नाथ ने भी बैठक में अपनी बात कही और आगे का टारगेट भी बताया।

दिल्ली से छिंदवाड़ा पहुंचे कमलनाथ ने कांग्रेस पदाधिकारी और विधायकों के साथ हार की समीक्षा को लेकर बैठक की। इस दौरान कमलनाथ ने भावुक बयान दिया। उन्होंने कहा कि मेरा और आपका राजनीतिक नहीं, पारिवारिक संबंध है। छिंदवाड़ा की जनता ने मुझे जो विदाई दी है वह मुझे स्वीकार है। उन्होंने कहा कि मैं आप सब से सिर्फ यह कहने आया हूं कि चुनाव में आपने जो मेहनत की उसका पोस्टमार्टम हमें करना है। जो चुनाव परिणाम सामने आए हैं, इसका किसी को विश्वास नहीं था। हमें ही इसका पोस्टमार्टम करना है, कोई दूसरा यह नहीं करेगा। इसके अलावा उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए कहा कि जिसे जो शिकायत होगी वह सीधे तौर पर मुझे करेगा। आप सभी लोग मुझे मेल भी कर सकते हैं। इसी तरह पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा कि लोकसभा चुनाव में साथ देने के लिए अपका धन्यवाद। अब हमारा अगला लक्ष्य अमरवाड़ा विधानसभा चुनाव है। अमरवाड़ा चुनाव में जब हम जीतेंगे, तब मैं समझूंगा कि आप सब ने अपना फर्ज अदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह 40 साल से आपने हमारे परिवार का साथ दिया है, आगे भी हमारा राजनीतिक नहीं, पारिवारिक रिश्ता बना रहेगा।

कमलनाथ ने की कांग्रेस पदाधिकारियों संग बैठक

मुफ्ती ने इंजीनियर रशीद को दी बधाई

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने इंजीनियर रशीद को बधाई दी और सरकार से लोगों के फैसले का सम्मान करने का आग्रह करते हुए उनकी रिहाई की मांग की। मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संसद चुनाव जीतने के लिए मियां अल्ताफ, आगा रूहुल्लाह, इंजीनियर राशिद और हनीफा जान को हार्दिक बधाई। भारत सरकार को लोगों के फैसले का सम्मान करना चाहिए और इंजीनियर रशीद को रिहा करना चाहिए। वाहिद ने आगे कहा कि इंजीनियर राशिद की रिहाई के लिए महबूबा मुफ्ती की अपील की तरह ही अगर उमर कुछ करते तो ये विवेकपूर्ण दृष्टिकोण जनादेश की स्वीकृति की तरफ होता। इंजीनियर रशीद ने 2,04,142 वोटों के अंतर से जीत हासिल की और 47,2481 वोट हासिल किए।

वाहिद पर्रा ने उमर की टिप्पणी की तीखी आलोचना

उमर अब्दुल्ला की इस टिप्पणियों वाहिद पर्रा ने तीखी आलोचना की। उन्होंने अब्दुल्ला पर जनादेश को स्वीकार ना करने का आरोप लगाया। पर्रा ने कहा, उमर अब्दुल्ला के प्रतिगामी रुख से बेहद निराश हूं, जो 1987 की विभाजनकारी राजनीति की याद दिलाता है और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति को इस्लामी लहर करार देता है। मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के साथ उनके (उमर के) परिवार का इतिहास पीडीपी, इंजीनियर रशीद और जेईआई (जमात-ए-इस्लामी) को बाहर करने का रहा है। साथ ही कश्मीर और केंद्र के बीच संघर्ष में बढ़ाने का रहा है।

इंजीनियर रशीद की जीत से अलगाववादी सोच को मिलेगी जगह : उमर

बोले- पराजित इस्लामी आंदोलन को नई उम्मीद की किरण मिलेगी

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इंजीनियर रशीद की जीत से अलगाववादी सोच को मजबूत होने के लिए जगह मिलेगी और कश्मीर के पराजित इस्लामी आंदोलन को नई उम्मीद की किरण मिलेगी। उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर पीडीपी के नेता वाहिद पर्रा ने उन्हें घेरा। पर्रा ने इस बयान को निरशाजनक करार दिया है। आतंकी फंडिंग के आरोप में जेल में बंद इंजीनियर रशीद (अब्दुल रशीद शेख) ने दो लाख से अधिक वोटों से बारामुला सीट पर जीत दर्ज की है। इस सीट पर उन्होंने उमर अब्दुल्ला और सज्जाद लोन को हरा दिया है। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर एक खबर के लिंक को पोस्ट में कहा, रशीद की जीत, बिना किसी संदेह के, अलगाववादियों को सशक्त बनाएगी और कश्मीर के पराजित इस्लामी आंदोलन को नई उम्मीद की किरण देगी। अलगाववाद को चुनावी राजनीति में वापस लाने के प्रयासों ने नई दिल्ली को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उदय और भाजपा के साथ उसके गठबंधन का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इससे हिंसक अलगाववादियों को सशक्त बनाने में मदद मिली, न कि उन्हें मुख्यधारा में लाने में - यह राजनीति में हेरफेर करने की कोशिश के अप्रत्याशित परिणामों की चेतावनी है।

सुप्रीम कोर्ट की भी नहीं मान रही हरियाणा सरकार : आतिशी

» दिल्ली में जल संकटः आप ने लगाया साजिश करने का आरोप, कहा- लगातार कम पानी छोड़ा जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली को पानी देने के मामले में दिल्ली सरकार ने हरियाणा पर साजिश करने का आरोप लगाया है। जल मंत्री आतिशी ने कहा कि हरियाणा दिल्ली के खिलाफ साजिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के बावजूद दिल्ली की पानी सप्लाई कम की जा रही है। बीते तीन दिनों से हरियाणा दिल्ली के लिए लगातार कम पानी छोड़ रहा है। आज सुबह 11 बजे मैं वजीराबाद बैराज का दौरा करूंगी और हरियाणा की साजिश को बेनकाब करूंगी।

राजधानी के अनेक इलाकों में गत दिनों की तरह गुरुवार को भी लोगों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ा। खासकर नई दिल्ली इलाके में स्लम बस्तियों और पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में लोग पानी के लिए भटकते रहे। इन इलाकों में पानी के टैंकर पहुंचते ही लोग पानी भरने के लिए उन पर टूट पड़े। इस कारण टैंकर कुछ ही पल में खाली हो गए। टैंकरों से पानी भरने के दौरान लोगों में बहस भी हुई।

कंगना के समर्थन में आये विक्रमादित्य

» घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण बोले- हो कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश की मंडी की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को गुरुवार को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर एक सीआईएसएफ की महिला जवान ने थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए महिला को सस्पेंड कर दिया है। वहीं इस घटना को लेकर कांग्रेस नेता विक्रमादित्य सिंह का बयान सामने आया है। कंगना रनौत को सीआईएसएफ की एक महिला कांस्टेबल द्वारा थप्पड़ मारे जाने पर हिमाचल सरकार के कैबिनेट मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

ऐसा किसी के साथ नहीं होना चाहिए, खासकर एक महिला के साथ जो अब संसद की सदस्य है। उन्होंने आगे कहा कि किसान आंदोलन को लेकर सीआईएसएफ कांस्टेबल की कुछ शिकायतें थीं, लेकिन किसी पर इस तरह से हमला करना दुर्भाग्यपूर्ण है। हम इसकी निंदा करते हैं और सरकार को इसके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। एक्स पर वीडियो जारी करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैं सभी को बताना चाहती हूं की मैं पूरी तरह से सुरक्षित हूं। इस घटना के बाद से ही मेरे पास तमाम शुभचिंतकों के फोन आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज चंडीगढ़ में जो हादसा हुआ वो सुरक्षा जांच के बाद हुआ। जांच के बाद जैसे ही मैं वहां से निकली, वैसे ही दूसरी केबिन से एक महिला सिपाही ने आकर मेरे चेहरे पर हमला किया और गालियां देने लगीं। किसान नेता शेर सिंह माहीवाल ने बताया कि कंगना रनौत को थप्पड़ जड़ने वाली उनकी छोटी बहन कुलविंदर कौर है। वह छह भाई बहन हैं और उसकी शादी छह साल पहले जम्मू के सिमरन सिंह के साथ हुई।

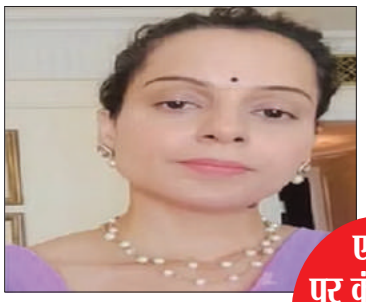

एक्स पर कंगना ने जारी किया वीडियो

कुलविंदर कौर के समर्थन में परिवार

बॉलीवुड क्वीन व हिमाचल प्रदेश के मंडी की नवनिर्वाचित भाजपा सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर थप्पड़ जड़ने से चर्चा में आई सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर कपूरथला के गरीब किसान की बेटी है। इस घटनाक्रम का मीडिया के जरिये पता चलने पर जिला कपूरथला की सब-डिवीजन सुल्तानपुर लोधी के गांव मंड माहीवाल का पूरा परिवार कुलविंदर कौर के समर्थन में उतर आया है। दरिया ब्यास की मार झेलने वाले छोटे से गांव मंड माहीवाल में रहने वाले कुलविंदर कौर के भाई शेर सिंह माहीवाल के अनुसार सिक्योरिटी को लेकर कंगना से कुलविंदर कौर तू-तू-मैं-मैं हुई, जिसके बाद तल्खी बढ़ गई।

सुपर ओवर में अमेरिका ने पाकिस्तान को रौंदा

» दोनों पारी समाप्त होने तक टाई पर खत्म हुआ था मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। पाकिस्तान और यूएसए का मैच दोनों पारी समाप्त होने तक टाई पर खत्म हुआ था। मगर सुपर ओवर में यूएसए ने पाकिस्तान को हराकर इतिहास रच दिया है। सुपर ओवर में मोहम्मद आमिर का लगातार वाइड फेंकना पाकिस्तान की हार का मुख्य कारण रहा। वहीं सौरब नेत्रावलकार सुपर ओवर में गेंदबाजी करके यूएसए को जिताने के लिए हीरो बन गए हैं. यूएसए के लिए कप्तान मोनांक पटेल 50 रन और आरोन जोन्स ने 35 रन की पारी खेली।

एंड्रीज गौस ने भी 26 गेंद में ताबड़तोड़ अंदाज में 35 रन बनाए। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 159 रन बनाए थे। पाक टीम के कप्तान बाबर आजम ने 44 रन और शादाब खान ने 40 रन की अहम पारियां खेलीं। इस बीच यूएसए की ओर से नोशतुश केंजिगे ने 3 विकेट चटकाते हुए प्रभावित किया। मेजबान यूएसए जब लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो कप्तान मोनांक पटेल ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। अंत में यूएसए की पारी भी 159 रन पर ही समाप्त हुई। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएसए की शुरुआत काफी अच्छी रही क्योंकि कप्तान मोनांक पटेल और स्टीवन टेलर ने टीम को सधी हुई शुरुआत दिलाई। इस बीच छठे ओवर में टेलर 12 रन बनाकर आउट हो गए।

सुपर ओवर का लेखा जोखा

यूएसए की पारी- सुपर ओवर में यूएसए ने पहले बल्लेबाजी की। आरोन जोन्स ने मोहम्मद आमिर की पहली ही गेंद पर चौका, दूसरी पर 2 रन और तीसरी गेंद पर सिंगल लिया। चौथी गेंद वाइड और पांचवी गेंद वाइड दे बैठे और दोनों बार एक्स्ट्रा रन भाग लिया। 5वीं गेंद पर डबल रन, लेकिन छठी गेंद से पहले आमिर फिर वाइड दे बैठे, जिस पर यूएसए के बल्लेबाजों ने 2 रन भाग लिए। वहीं आखिरी गेंद पर एक रन बनाने के साथ ही यूएसए के खेमे ने 18 रन बनाए। पाकिस्तानी पारी- नेत्रावलकार ने पहली गेंद डॉट की, लेकिन दूसरी गेंद पर इफितखार अहमद ने चौका जड़ दिया। अगली गेंद वाइड रही, लेकिन तीसरी गेंद पर इफितखार कैच आउट हो गए, नेत्रावलकार ने वाइड की, लेकिन उससे अगली गेंद पर लेग बाई का चौका मिला। 5वीं गेंद पर 2 रन आए, आखिरी गेंद पर एक रन आया, जिससे यूएसए ने इस मुकाबले को जीत लिया है।

सिब्बल का तंज: अब सुरक्षित रहेगा मेरी बीवी का मंगलसूत्र

» बीजेपी को बहुमत न मिलने पर हुए बहुत खुश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कपिल सिब्बल लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को बहुमत न मिलने पर संसद के उच्च सदन राज्य सभा के सदस्य, जाने-माने वकील और कांग्रेस के पूर्व नेता कपिल सिब्बल बहुत खुश हुए हैं। कपिल सिब्बल ने तंज कसते हुए न सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी के भगवान ने मुझे भेजा है, वाले बयान पर घेरा बल्कि मंगलसूत्र वाली टिप्पणी पर भी लपेटा। वह बोले कि उनकी बीवी का मंगलसूत्र सेफ रहेगा।

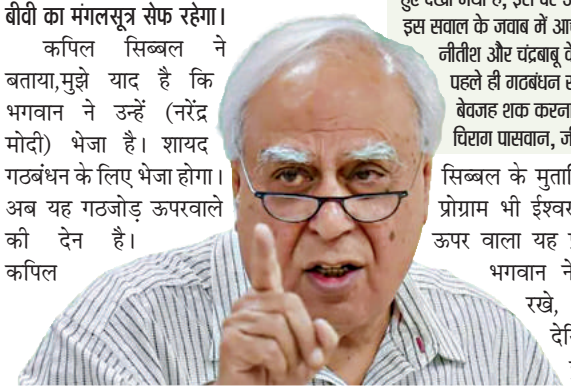

कपिल सिब्बल ने बताया,मुझे याद है कि भगवान ने उन्हें (नरेंद्र मोदी) भेजा है। शायद गठबंधन के लिए भेजा होगा। अब यह गठजोड़ ऊपरवाले की देन है। कपिल सिब्बल के मुताबिक, कॉमन मिनिमम प्रोग्राम भी ईश्वर की देन होगा, कैसे ऊपर वाला यह प्रोग्राम दे सकता है? भगवान ने जहां-जहां पदचिह्न रखे, वे गायब हो गए, देखिए कि यूपी में क्या हुआ। सीनियर एडवोकेट ने यह भी सवाल उठाया, नरेंद्र मोदी से मैं पूछता हूं कि क्या भगवान के साथ कोई गठबंधन कर सकता है? उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी का सहयोगियों को खत्म करने का इतिहास है। कपिल सिब्बल ने बताया, मुझे पूरा विश्वास है कि जो बच्चों और मंगलसूत्र की बात हो रही थी, अब वह नहीं होगी।

नीतीश-नायडू पर बेवजह शक करना गलत : आचार्य प्रमोद

चंद्रबाबू नायडू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं, बीजेपी ने चुनाव में बड़ी कामयाबी हासिल की है। उन्होंने आगे कहा, आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर सरकार बनेगी. वहां काफी ज्यादा सीटें जीतकर आए हैं, लेकिन मैं कुल मिलाकर कहना चाहता हूं कि देश की जानता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनते हुए देखना चाहती है। अगर देश की जनता नरेंद्र मोदी से इतना ज्यादा नाराज होती तो उन्हें इतना बड़ा जनादेश नहीं देती।

नई दिल्ली। नीतीश कुमार व चंद्रबाबू नायडू के पलटी मारने से जुड़ा सवाल कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम से किया गया तो उन्होंने भी इस पर जवाब दिया। आचार्य प्रमोद ने कहा कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू पर शक करना गलत है। उन्होंने साथ ही साथ ये भी कहा कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से पीएम बनते हुए देखना चाहती है। आचार्य प्रमोद कृष्णम को इसी साल कांग्रेस पार्टी से निष्काषित किया गया था। वह कांग्रेस की नीतियों के मुखर आलोचक के तौर पर जाने जाते है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को कई बार पलटी मारते हुए देखा गया है, इस पर आप क्या कहना चाहेंगे? इस सवाल के जवाब में आचार्य प्रमोद ने कहा, नीतीश और चंद्रबाबू के साथ बीजेपी का चुनाव से पहले ही गठबंधन रहा है. इस वजह से उन पर बेवजह शक करना गलत है. नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और

मानहानि मामले में राहुल गांधी को जमानत मिली

» कर्नाटक की विशेष अदालत ने कांग्रेस नेता को दी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कर्नाटक की विशेष अदालत की तरफ से जमानत मिल गई है। कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी एमएलसी केशव प्रसाद ने उनके खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था। इसी सिलसिले में राहुल गांधी को शुक्रवार को अदालत में पेश हुए। जहां मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जमानत दे दी गई।

राहुल गांधी मानहानि मामले में अदालत में पेश होने के लिए शुक्रवार को बेंगलुरु पहुंचे, जिसके बाद वो कोर्ट में पेश हुए। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने कहा था कि पिछली भाजपा सरकार परियोजनाओं में 40 प्रतिशत कमीशन लेती है। इसको लेकर विज्ञापन प्रकाशित कर दुष्प्रचार किया था। केशव प्रसाद ने दलील दी कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव के दौरान सिद्दारमैया और शिवकुमार ने लोगों को गुमराह करने के लिए झूठे आरोप लगाए, जिसके लिए उन पर आईपीसी की धारा 500 के तहत कार्रवाई होनी चाहिए.

सिद्धारमैया, शिवकुमार को पहले ही मिल चुकी है जमानत

सीएम सिद्धारमैया और शिवकुमार 1 जून को अदालत में पेश हुए और जमानत हासिल की। राहुल गांधी भी मामले में एक पक्ष हैं, वो पिछली बार अनुपस्थित रहे। इसके बाद भाजपा नेता के वकील ने मांग की कि उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए। अदालती कार्यवाही के बाद, राहुल गांधी यहां भारत जोड़ो भवन में राज्य के नवनिर्वाचित कांग्रेस सांसदों के साथ-साथ पराजित उम्मीदवारों के साथ भी बैठक करेंगे।

मामला पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख अखबारों में 'अपमानजनक विज्ञापन जारी करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई द्वारा दर्ज कराया गया था।

आठवीं बार रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दर निर्धारण समिति ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी।

रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से यह तय हो गया है कि आपके बैंक लोन की ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक 5 जून से शुरू होकर 7 जून 2024 यानी आज तक चली। एमपीसी की बैठक में छह सदस्यों में से चार ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2प्रतिशत रहने का अनुमान है।

लोगों ने मोदी को किया खारिज: डेरेक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार को लोगों ने खारिज कर दिया है और यह तो बस एक शुरुआत है। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के दो दिन बाद भी विपक्षी खेमे में बैठकों का दौर जारी है।

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि आज मुंबई में उनके शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में भाग लेने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा और संजय सिंह के साथ अलग-अलग बैठक की थी। सूत्रों ने बताया कि ठाकरे के साथ बैठक उनके आवास 'मातोश्री' पर हुई। एक सूत्र ने बताया कि बनर्जी ने डेरेक ओ ब्रायन के साथ यादव से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। बैठक में क्या हुआ इस पर टिप्पणी किए बिना डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार को नकार दिया गया है।

मोदी की भाजपा ने भारत में 10 साल तक सरकार चलाई। उन्हें और उनकी सरकार को नकार दिया गया है। यहीं से शुरुआत होती है। हम यहीं से आगे बढ़ते हैं।'' तृणमूल कांग्रेस के एक अन्य नेता ने बताया कि 'इंडिया' गठबंधन में उनकी पार्टी एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अकेले लड़ी, जबकि अन्य सभी ने किसी न किसी राज्य में सीट बंटवारे पर समझौता कर लिया था। तृणमूल कांग्रेस के सूत्रों ने दावा किया है कि वे पश्चिम बंगाल के तीन भाजपा सांसदों के भी संपर्क में हैं। भाजपा ने हालांकि इस दावे का खंडन किया है।

» सपा नेता अखिलेश आप के राघव से मिले अभिषेक

कर्नाटक के राज्यपाल ने स्वीकार किया मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राजभवन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरकारी निगम से धन के अवैध हस्तांतरण के आरोपों के बीच नागेंद्र ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था।

राजभवन की ओर से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंत्री का इस्तीफा स्वीकार करने की सिफारिश की थी। राजभवन की ओर से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में अवैध हस्तांतरण करके 87 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में इसके कर्मचारी चंद्रशेखर पी ने आत्महत्या कर ली थी। कर्मचारी ने मृत्यु पूर्व लिखे एक नोट में धन हस्तांतरित करने के लिए उच्च स्तर से उन पर दबाव बनाए जाने की बात कही थी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य सरकार और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)दोनों ने इस संबंध में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागेन्द्र, जो कि युवा सशक्तिकरण एवं खेल मंत्री भी हैं, निगम के धोखाधड़ी मामले में कथित रूप से संलिप्त हैं।

विपक्ष में बैठेंगे सांसद चंद्रशेखर

बोले- जनता की लड़ाई लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। नगीना सुरक्षित सीट से सांसद बने आसपा प्रमुख चंद्रशेखर ने साफ कर दिया है कि वह विपक्ष की भूमिका अदा करेंगे और जनता की लड़ाई लड़ेंगे। कहा कि भाजपा को रोकने के लिए जो कर सकते थे, वह मजबूती से किया। इतना जरूर है कि नगीना में जो गठजोड़ बनाया है, उसे अब पूरे प्रदेश तक ले जाना है।

चुनाव जीतने के बाद पहली बार छुटमलपुर में अपने घर पहुंचे चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समाज ने कहा था कि 2022 में वह बहनजी को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। 2022 के बाद वह उनके साथ खड़े रहेंगे। खतौली और घोसी उपचुनाव में उन्होंने भाजपा को रोककर यह साबित भी किया। बोले, वह चाहते थे कि भाजपा सबक सीखे और तानाशाही का दौर फिर न आए।

भाजपा को रोकने के लिए जो कर सकते थे, वह पूरी दमदारी से किया है। चंद्रशेखर ने दावा किया कि प्रदेश में करीब 20 सीटों पर जनता ने भाजपा का विजय रथ रोकने में उनकी मदद की है। दलित, मुस्लिम, पिछड़े, किसान वर्ग ने उन पर जो भरोसा किया है, उसे टूटने नहीं देंगे। कमजोर पर जहां कहीं जुल्म होगा, चंद्रशेखर वहां खड़ा मिलेगा। बसपा के प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि बसपा कोई चुनाव जीतने के लिए नहीं लड़ रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।